an>

Title: Regarding need to address the widespread agrarian distress throughout the country resulting in suicides by farmers.

माननीय अध्यक्ष : मैं चर्चा के लिए मना नहीं कर रही हूं। आपका चिल्लाना पूरा हो गया।

â€¦(व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : अध्यक्ष महोदया, आपने एडजर्नमेंट मोशन को एलाऊ नहीं किया, मगर फिर भी मैं इस बात के लिए धन्यवाद करता हूं कि इस सब्जेक्ट की संवेदनशीलता को देखते हुए आपने 193 का डिस्कशन एलाऊ किया। आज किसान आंदोलित है ...(व्यवधान) आंध्र प्रदेश के गुंटुर से लेकर शहाबाद, यमुनानगर तक का किसान, मंदसौर, मध्य प्रदेश का किसान सड़कों पर है, जंतर मंतर पर भी किसान बैठे हैं। उस दिन चर्चा हुई लेकिन मंत्री जी का जो जवाब आया उस जवाब से हम संतुष्ट नहीं हैं। ...(व्यवधान) सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं। दो मुख्य सवाल हैं, किसान की ऊपज का पूरा भाव मिले, स्वामीनाथन कमीशन आयोग की रिपोर्ट को लागू करने का वायदा सरकार का सत्ता में आने से पहले था। जितना भाव किसानों को यूपीए के समय मिलता था उतना भाव भी नहीं मिल पा रहा है ...(व्यवधान)। कर्ज माफी का सवाल है, ये लोग हमसे सवाल पूछते हैं कि 60-70 सालों में हमने क्या किया? इस सरकार ने तीन में किसानों के ऊपर इतना कर्ज चढ़ा दिया जितना 60 सालों में नहीं चढ़ पाया। किसानों पर सबसे तेज कर्जा चढ़ा है तो तीन वर्षों के अंदर चढ़ा है। ...(व्यवधान)

श्री मोहम्मद सलीम (रायगंज) : मैडम, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण मामला उठाना चाहता हूं जो पूरे देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जल्दी पूरा करो, मैंने उस दिन बोलने का पूरा समय दिया था।

â€¦(व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा: अध्यक्ष महोदया, सरकार का जवाब संतुष्टि के लायक नहीं था, न कर्ज माफी का जिक्र हुआ और न ही स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट का जिक्र हुआ। इस विशेष में प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए, अगर जवाब नहीं देंगे तो हम सदन से वॉकआऊट करते हैं, सदन का बहिÂष्कार करते हैं। ...(व्यवधान)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): अध्यक्षा जी, कांग्रेसी पार्टी के लोग आज इस सदन में आवाज उठा रही है, मैं कांग्रेस के सांसदों से पूछना चाहूंगा कि परसों जब साढ़े 10 बजे तक हम किसानों के बारे में चर्चा कर रहे थे ...(व्यवधान) तब आप कहां चले गए थे, आप क्यों नहीं उपस्थित रहे? केवल दो ही मेंबर कांग्रेस के ज्योतिरादित्य सिंधिया जी और दीपेन्द्र हुड्डा जी उपस्थित थे । माननीय सोनिया गांधी जी, माननीय राहुल गांधी जी सब कहां गए थे?...(व्यवधान) यानी कांग्रेस किसानों के बारे में घड़ियाली आंसू बहा रही है। आपको कोई हमदर्दी नहीं है। किसान के बारे में आप आंदोलित नहीं हैं।...(व्यवधान) यदि किसान के बारे में किसी को हमदर्दी है तो माननीय नरेन्द्र मोदी जी की सरकार की है, भारतीय जनता पार्टी की सरकार की है, एनडीए की सरकार है।...(व्यवधान)

12.15 hours

(At this stage, Shri Deepender Singh Hooda and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.)

माननीय अध्यक्ष जी, मैं इन लोगों को यह भी कहना चाहता हूं कि पिछले तीन सालों में किसानों के हित में जितना काम हमारी सरकार ने किया है, 60 सालों में आपने नहीं किया।...(व्यवधान) आपने कुछ नहीं किया। फसल बीमा योजना से लेकर प्राकृतिक प्रकोप की राहत से हर चीज के बारे में काम किया है।...(व्यवधान) आज की तारीख में खाद का कोई संकट नहीं है, नीम कोटिंग यूरिया कर चुके हैं, जितनी चाहिए उतनी खाद देश भर में अवेलेबल है। ऐसी स्थिति हम लेकर आ गए हैं। ...(व्यवधान)

मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि हम चर्चा कर रहे थे, मैं आपका अभिनंदन करना चाहता हूं कि आप साढ़े दस बजे तक बैठे रहे, ये लोग नहीं बैठे, हाउस में नहीं रहे, किसानों के बारे में इनकी झूठी हमदर्दी है।...(व्यवधान)

12.16 hours

(Shri Deepender Singh Hooda and some other hon. Members then left the House.)

-